



भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

प्रेस नोट सं: पीआरडी/प्रेस नोट/16/2018-19

15-11-2018

बीआईएस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानक और चौथी औद्योगिक क्रांति पर संगोष्ठी का आयोजन

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने नई दिल्ली में विश्व मानक दिवस समारोह 2018 के अवसर पर "अंतर्राष्ट्रीय मानक और चौथी औद्योगिक क्रांति" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

प्रत्येक वर्ष, आईएसओ मानकीकरण के वर्तमान पहलुओं के आधार पर विश्व मानक दिवस का विषय तय करता है। इस वर्ष का विषय "अंतर्राष्ट्रीय मानक और औद्योगिक क्रांति 4.0" अत्यंत प्रासंगिक है, चूंकि उद्योग उन्नत संचार मोड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ ऑटोमेशन के लिए नई प्रौद्योगिकियों का अत्यधिक उपयोग कर रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय श्री राम विलास पासवान, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री द्वारा किया गया। यह समारोह ऐसी चार कर्टन रेजर की परिणति है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा "औद्योगिक क्रांति 4.0 हेतु भारत के लिए भविष्य का मार्ग" विषय पर चार क्षेत्रीय कार्यक्रमों पैनल चर्चा के निर्णायक कार्यक्रम का समन्वय है। उन्होंने स्मार्ट विनिर्माण पर पूर्व-मानकीकरण अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन किया और बीआईएस की पुनरीक्षित वेबसाइट भी लॉन्च की।

श्री पासवान ने विनिर्माण के उभरते क्षेत्रों में भारत की विश्व में सर्वोच्च स्थान हासिल करने की आकांक्षाओं और इस विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे इसका समर्थन देने वाले मानकों के निर्धारण की दिशा में बीआईएस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस दिशा में स्मार्ट विनिर्माण पर 'पूर्व-मानकीकरण अध्ययन रिपोर्ट' का विमोचन एक सही कदम है।

अपने विशेष संबोधन में श्री चौधरी ने कहा कि देश की तकनीकी शक्ति को औद्योगिक क्रांति 4.0 के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी के लक्ष्य को वास्तविकता बनाने की जरूरत है। जारी की जा रही रिपोर्ट इस दिशा में एक उचित कदम है।

श्रीमती सुरिना राजन, महानिदेशक, बीआईएस ने अपने संबोधन में अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं में वृद्धि को सक्षम बनाने के लिए मानकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बीआईएस की पुनर्निर्मित वेबसाइट के विमोचन पर कहा कि नया इंटरफेस में सभी स्टैकहोल्डर आसानी से एक्सेस कर सकेंगे और उपयोगकर्ताओं को अनुभव अच्छा होगा।

तकनीकी सत्र और पैनल चर्चाएँ दर्शकों के लिए ज्ञानवर्धक अनुभव थे। चूंकि श्री वेंकट शर्मा, प्रमुख डिलिवरी आईओटी एवं एमईएस प्रैक्टिस एल एंड टी इंफोटेक, प्रो. असीम तिवारी, प्रमुख, एनसीआईआईआर, आईआईटी बॉम्बे, श्री विद्याभूषण हांडे, प्रमुख, सिमुलेशन सॉल्यूशंस, सिमेंन्स और डॉ. अल्वाबक्स नायकोडी, प्रमुख, आर एंड डी महिंद्रा इलेक्ट्रिक जैसे प्रख्यात वक्ताओं ने न केवल इन सत्रों के दौरान अपने मूल्यवान विचार साझा किए बल्कि दर्शकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

भारत जैसे जीवंत देश में जिनका औद्योगिक आधार बड़ा है, यह विषय बहुत प्रभावी है और भारत के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया कार्यक्रम के लिए इसकी सामयिक रूप से आवश्यकता है। भावी पीढ़ी के साथ पहुंच को प्रभावी रूप से सक्षम बनाने के लिए औद्योगिक क्रांति 4.0 के विभिन्न पहलुओं पर प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में चार कर्टन रेजर



संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। ये संगोष्ठियाँ भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर, आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी-गुवाहाटी और आईआईटी-कानपुर में आयोजित की गईं। इन संगोष्ठियों के विषय स्मार्ट एनर्जी स्टोरेज, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और ब्लॉक-चेन, ग्रीन टेक्नोलॉजी और वहनीयता और 5 जी के इर्द-गिर्द थे।

प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर, विश्व भर के ऐसे हजारों पुरुषों एवं महिलाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए विश्व मानक दिवस मनाया जाता है, जो समाज के उन्नयन और कल्याण हेतु मानक निर्धारित करते हैं। पूरी दुनिया में मान्य विश्व मानक दिवस 1970 से अंतरराष्ट्रीय मानक दिवस के रूप में मनाया है। यह वार्षिक कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय विद्युततकनीकी (आईईसी), अंतराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) और अंतराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के साथ संयुक्त रूप से मनाया जाता है। यह अवसर वास्तविक विश्व में मानक कैसे काम करते हैं, और व्यापार, समाज और पर्यावरण के लिए ये कैसे लाभदायक हैं, उसे प्रतिबिंबित करने का सही अवसर उपलब्ध कराता है।

अलका

उपनिदेशक, जनसंपर्क विभाग

9818029017



BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

Press Note No: PRD/Press Note/16/2018-19

15 November 2018

BIS organises seminar on International Standards and the Fourth Industrial Revolution

Bureau of Indian Standards (BIS) organised a seminar on “International Standards and the Fourth Industrial Revolution” in New Delhi, the seminar was held to celebrate the World Standards Day 2018.

Each year, ISO decides a theme of the World Standards Day based on a current aspects of standardization. The theme of this year “International Standards and Industrial Revolution 4.0” is very relevant as the industry is embracing new technologies for automation along with artificial intelligence making use of advanced communication modes.

The event was inaugurated by Shri Ram Vilas Paswan, Hon’ble Minister, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution in esteemed presence of Sh. C.R. Chaudhary Minister of State, Ministry of Consumer Affairs and Public Distribution and Ministry of Commerce and Industry. It is culmination of the four curtain raisers which dovetails the four regional events into a finale event with presentations by the experts followed by panel discussion on “India’s way forward for Industrial Revolution 4.0”. He also released Pre Standardisation Study Report on Smart Manufacturing and launched the revamped website of BIS.

Sh. Paswan highlighted the relevance of the theme to India’s aspirations to be among the top in the emerging fields of manufacturing. He further appreciated the efforts of BIS being made in the direction of developing Standards to support the same. The release of ‘Pre Standardisation Study Report on Smart Manufacturing’ is a right step in this direction.

In his special address, Sh. Chaudhary said that the technical force of the country needs to make the ambition of the Hon’ble Prime Minister a reality through the Industrial Revolution 4.0. The report being released is a right step in this direction.

Smt. Surina Rajan, Director General, BIS in her address emphasised on the need for Standardization to enable growth in all facets of the economy. On the release of the revamped website of BIS she said that the new interface will enable easy access to all stakeholders and will give user a rich experience.

The technical sessions and panel discussions were enriched experience for the audiences as eminent speakers like Sh. Venkat Sarma, Head Delivery IoT & MES Practice L&T Infotech, Prof. Asim Tewari, Head, NCAIR, IIT Bombay, Sh. Vidyabhushana Hande, Head, Simulation Solutions, SIEMENS and Dr. Allabaksh Naikodi, Head, R&D Mahindra Electric not only shared their valuable thoughts during the sessions but also answered to the queries raised.

The theme has far reaching impact on a vibrant nation like India with its large industrial base and is the need of the hour with India taking up the ambitious Make in India program. To enable an impactful outreach with the future generation, four curtain raiser seminars were held in premier educational institutions on the various facets of Industrial Revolution 4.0. The seminars were held at Indian Institute of Science, Bangalore, IIT – Bombay, IIT- Guwahati and IIT- Kanpur. The topic



of seminars were around Smart Energy Storage, Smart Manufacturing and Block-chain, Green technology and Sustainability and 5G.

Every year this time, World Standards Day is celebrated to pay tribute to the thousands of men and women all over the world who develop standards for the advancement and welfare of societies.

World Standards Day, is an international day of observance recognized world over since 1970. This annual event is celebrated across the globe jointly with the International Electro-technical (IEC), the International Organization for Standardization (ISO) and the International Telecommunication Union (ITU). This occasion provides a perfect opportunity to reflect how Standards work in the real world, and the benefits they bring to business, society and the environment.

Alka
Deputy Director, PR
9818029017



C. B. SINGH

C. R. CHAUDHARY

RAM VILAS PASWAN

SURI